

आ'श'स'काथि

2140

ASIA ARCHIVES

ॐ नमः श्री सिद्धि तन्त्रीय नमः ॥ ॐ नमः ॐ
ॐ श्री महावल्लभ्या गन्धर्वी नृ नृ नृ रुट रुट रु
ट रुट रुट ॐ नमः रु ग व ग नृ दा य ॐ श्री महावल्लभ्या
गन्धर्वी कलिग मुखी का नाजि काजि क द नि ही म म
हा ही म ही य लिल मोदनी विष्णु न की का ल य ग

नि. कालनिष्ठ दनि दं दं दं दं नि सि म द ह न वी म द
म ग न ली म द सि नि दं व लु म लु म द न लु थ आ ग थ
नि दं दं वी रु ट रु ट रु ट रु ट रु ट म द रु ट रु नू टि म
द न वि नि दं सि नि स्म द ली मा नि ली मा द नी दं जा ४
२ खा दि २ वि द व नि जा ४ २ जा दि २ वी म द ह न वी

त म द सि नी म द मा न्ना ग नि नू द २ नू ट २ नू ट २
द द म द का सि थो थो थो या ग द लु ध नि लि खा व नि
म द मा नी व काली मा द थ वी को मा नी व थ वी
वा ना ही या थ व लु मू र्खी आ थ जी वा य थ काल
मू र्खी व लु थ आ ग थ वी म द व लु का या लि नि य म
वा नू लि २

हा नृपि न वक्ष्ये सु क ४ हा जिनि विव २ वम २ घाग
य २ रु २ हा २ मूच २ वल्ल २ सुट २ गऊ २ घूर्ण २
महा मया न्मादिनि, कनवी न म्मभन विनि रुस २
यव वदन न गथा दलु धा विनि महा जामनि, छिष्ट
ख प्रा न सि मूर्त पा गं कृष्ण कल ग्या वला हय ग

हिग वृह रु ऊं महा आल ह विन मणि न ग नी न अ
न क व के आ मा ग नि आ म ग नि न वा सि नि महा नृ
डा ग नि महा द द्वा क ता ल का ता स्या व के, क रं क मूर्ति
ट द्व प्रा वि ली ह द या म्भू ज या वि लि सर्व ह न द म नी
खु न मा ह ग ति श्री सि धि र श्री ध्व नी रुट रुट स्वा हा ४।

ॐ मुदा जलुगज संकषलि कालिमर्कनदः ४ ॐ ॐ
 ॐ ॐ ॐ रुडरुडरुडरुडरुडरुड स्वाहा ॥
 ॐ ॐ ॐ नि सर सा के नि वि ओ समा पथा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सुदुरुदुरुदुरुदुरुदुरु स्वाहा ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमः श्रीगुरु कालिदासे नमः ॥ ॐ नमः
 श्रीगुरु नमः हनुवति महावर्धु हे नवी विकटा
 कटुका श्रीदी ई ई ई रुट रुट रुट उद्व क श्री
 सात डि ई सद सद्य क ने वे ने ल सद सगु य
 नरे सदी लगी वृष्टु य २ मदा मां

सत्रधिनयिय, गृह २ ह... १२ मान मान
रुद्र रुद्र... २ वाषय २ धीमसाथागिणी
नमः ४ मरुध्वनी सर्वलावान्, पुन्यापय २ कूं कूं
कूं मुं मुं कूं रुं रुं नाना वृषधनी, जी जी जी जी
ध्री ध्री जी जी धी धी धी धी धी धी धी धी धी धी

जो जो मम मरुसिद्धि दद दद नरुं नरुं कं कं लं
लं मुं मुं घी घी घी जां जां जां कं कं कं जां जां जां घी
घी घी ली ली ली की की की जी जी जी श्री श्री श्री
ॐ नमो नमो सा वा य या सर्वं करु करु श्री श्री जी जी
मुं मुं की की कं कं रुट रुट कालिक श्री श्री

जी जी जी जी श्री श्री श्री नमो नमो ॐ नमो
नमो नमो कर्म करी जी जी जी जी बुं बुं नमो नमो
नमो नमो जी जी श्री श्री की की विरु विरु ददि
कि वि कि वि नमो नमो य वि नमो य वि नमो य वि नमो
य वि नमो य करु करु चन चन कन कन जी जी नमो

गय घागय मागय मागय सुं रय सुं रय विडाव
यविडावय घुम्मावय घुम्मावय यागय यागय
घागय घागय सुं रय सुं रय धन धन वं वं वं वं
कं कं वं वं कं कं उं उं उं उं उं उं उं उं वम वम
उं उं रं रं रं रं मागय रं रं शानय

धूलि धूलि, कर्म मात्रि, **जौं हूं हूं हूं** जी वहा त्रिषा
लहा त्रि, मम्म, मम्मो विद्या गय, दन दन, **हूं हूं**
हूं, कालि कनात्री, किचि किचि, किलि किलि,
जौं जौं, **हूं हूं**, **हूं हूं**, **हूं हूं**, **हूं हूं**
हूं हूं, महा सि समा कल, साई ने न चे म्मा

वृग सनीय, महा वृधिन पिथ, महा धात्र पाण
न, दन दन, **हूं हूं**, मान मान, **हूं हूं**, खा
द खाद, **जौं हूं**, **हूं हूं**, **हूं हूं**, **जौं हूं**, **जौं क**
हूं हूं, **हूं हूं** महा सर्व न मात्री, **हूं हूं**, **हूं हूं**
हूं हूं, **हूं हूं**, **हूं हूं**, **हूं हूं**, महा का सा **हूं**

[illegible]

या वासिना ॥ ॐ क्रीं श्रीं खुं डं रूं ह्रूं क्षूं झूं ङूं
श्रीं मूं कुं दूं रूं खूं गी नमः ॥ १० ॥ का
नमः यदनि ॥ ॥ नमो हृदयविद्या ॥
ॐ खूं नूं रूं क्रीं ॥ १ ॥ नमो हृदयविद्या ॥
ॐ क्रीं खूं नूं रूं क्रीं नमः ॥ अमावासी विद्या ॥





